भाषा शिक्षण में कैसे मददगार बने पुस्तकालय?

Session Notes

D. El. Ed. द्वितीय वर्ष

विषय: हिंदी भाषा शिक्षण

पुस्तकालय

- विभिन्न पाठ्य सामग्री व सेवाओं के संग्रह को पुस्तकालय कहते हैं ।
- स्कूल पुस्तकालय का लाभ बच्चे, शिक्षक और कर्मचारीगण तथा बच्चों के अभिभावक ले सकते हैं ।

पुस्तकालय का महत्त्व

- पुस्तकालय के संपर्क में आने से बच्चे अलग-अलग किताबों/रचनाओं से परिचित होते हैं।
- बच्चे बाल साहित्य को पढ़ने में आनंद लेते हैं।
- आनंद आने पर उनकी रुचि अलग-अलग किताबें पढ़ने के लिए बढ़ सकती है।

 # पुस्तकालय से पढ़ने की आदत का विकास हो सकता है।

पुस्तकालय में कैसा हो साहित्य?

पुस्तकालय में उपलब्ध साहित्य ऐसा हो जो

- बच्चों की जिज्ञासा बढ़ाए
- उनकी कल्पनाशीलता बढ़ाए
- समस्या-समाधान करने में सहायक हो
- ज़रूरत के अनुसार सूचना और जानकारी देने में मदद करे

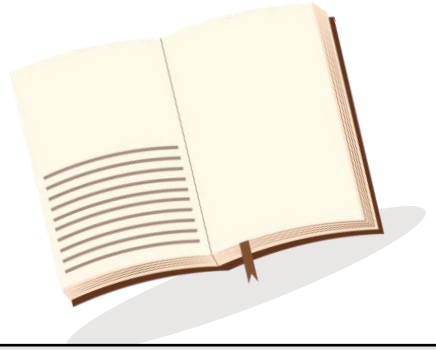

कहानी	कविता	ज्ञान-विज्ञान	रोचक तथ्य
समाज	संस्कृति	खेल	मनोरंजन

पुस्तकालय की व्यवस्था

- किताबों को विधाओं और विषयों के अनुसार व्यवस्थित करें।
- पुस्तकालय में रस्सी या टेबल में पुस्तकों का प्रदर्शन (डिस्प्ले) करें।
- वितरण के लिए स्टॉक रजिस्टर बनाएँ।
- देखरेख की जिम्मेदारी में बच्चों को भी शामिल करें।

हिंदी शिक्षण के लिए पुस्तकालय का उपयोग

- पुस्तकालय में यदि रंगीन, सचित्र और आकर्षक किताबें उपलब्ध हों तो बच्चे उनको पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकते हैं ।
- बच्चों के स्तर अनुसार पढ़ने के लिए किताबें आवंटित भी कर सकते हैं ।
- बच्चे पढ़ी गई किताबों के बारे में आपस में चर्चा कर सकते हैं ।
- बच्चे नियमित रूप से पढ़ने से धीरे-धीरे स्वतंत्र पाठक बन सकते हैं ।

भाषा शिक्षण का उद्देश्य = स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत का विकास

संक्षेप में

- विभिन्न पाठ्य सामग्री व सेवाओं के संग्रह को पुस्तकालय कहते हैं ।
- बच्चों को पुस्तकालय से अलग-अलग किताबें पढ़ने के अवसर मिलते हैं।
- पुस्तकालय में अलग-अलग विषयों और विधाओं को व्यवस्थित करके लगाना चाहिए।
- पुस्तकालय में पुस्तकों की देखरेख के लिए एक व्यवस्था बनानी चाहिए ।
- पुस्तकालय हिंदी भाषा शिक्षण में सहयोगी होता है ।